AI में उच्च आधुनकितावाद से संबंधति चतिाएँ

प्रलिम्सि के लयि:

AI में उच्च आधुनकितावाद से संबंधति चतिाएँ, ChatGPT, कृत्रमि बुद्धमित्ता

मेन्स के लयि:

AI में उच्च आधुनकितावाद से संबंधति चतिाएँ, AI प्रौद्योगकिी के नैतकि, सामाजकि और सांस्कृतकि नहितिार्थ

चर्चा में क्यों?

ChatGPT जैसे वशिाल कृत्रमि बुद्धमित्ता (AI) के आवरि्भाव ने हाल के दनिों में महत्त्वपूर्ण ध्यान आकर्षति कयिा है। हालाँकि इन AI को डज़िाइन करने में उच्च आधुनकितावाद से संबंधति चतिाएँ हैं।

ChatGPT:

- ChatGPT **जनरेटवि प्री-ट्रेंड ट्रांसफार्मर (GPT) का एक प्रकार** है जो OpenAI द्वारा वकिसति एक बड़े पैमाने पर **तंत्रकिा नेटवर्क-आधारति भाषा प्रारूप** है।
- GPT मॉडल को मानव जैसा **टेक्स्ट उत्पन्न करने के लयि बड़ी मात्रा में टेक्स्ट डेटा पर प्रशकि्षति** कयिा जाता है।
- यह वभिनि्न वषियों पर प्रतक्रियिाएँ दे सकता है, जैसे- **प्रश्नों का उत्तर देना, स्पष्टीकरण प्रदान करना और संवाद में भाग लेना।**
- ChatGPT **"अनुवर्ती प्रश्नों" का उत्तर देने के साथ"** अपनी गलतयिों को स्वीकार कर सकता है, गलत धारणाओं को चुनौती दे सकता है, साथ ही अनुचति अनुरोधों को अस्वीकार कर सकता है।"
- चैटबॉट को रीइन्फोर्समेंट लर्नगि फ्रॉम ह्यूमन फीडबैक (RLHF) का उपयोग करके भी प्रशकि्षति कयिा गया था।

AI को डज़िाइन करने में उच्च आधुनकितावाद की चुनौतयिाँ:

- **उच्च आधुनकितावाद का परचिय:**
  - उच्च आधुनकितावाद **ऊपर से नीचे तक की वचिारधारा को संदर्भति करता है जो व्यवस्था तथा मापने योग्य प्रगतमिं वशि्वास** से प्रेरति है। सामाजकि तथा प्राकृतकि वशि्व को फरि से व्यवस्थति करने के साधन के रूप में वज्ञिान एवं प्रौद्योगकिी में अटूट वशि्वास इसकी वशिेषता है।
    - यह प्राय: **स्थानीय ज्ञान तथा जीवति अनुभवों की उपेक्षा करता है** जसिसे अनपेक्षति परणिाम होते हैं।
  - यह दृष्टकिोण, जब AI डज़िाइन पर लागू कयिा जाता है **तो यह मानव वचिार की जटलिता एवं ववधिता को नज़रअंदाज** कर सकता है जसिके परणिामस्वरूप पक्षपाती और अपूर्ण प्रणालयिाँ बनती हैं।
- **AI डज़िाइन में उच्च आधुनकितावाद की चुनौतयिाँ:**
  - **ववधिता की हानि:** GAI को मुख्य रूप से इंटरनेट टेक्स्ट पर प्रशकि्षति कयिा जाता है, जो कुछ भाषाओं, धर्मों, नस्लों एवं संस्कृतयिों के प्रतपिक्षपाती है जसिसे इन पूर्वाग्रहों को कायम रखने का जोखमि होता है।
    - **ववधि प्रशकि्षण डेटा की कमी से भाषा की हानि हो सकती है तथा मानव वचिार और अभवि्यक्तकिी समृद्धमिं बाधा आ सकती है।**
  - **स्थानीय सूचना में कमी:** प्रत्यक्ष अनुभव के माध्यम से प्राप्त सूक्ष्म सूचना को अलग करके GAI इंटरनेट पर **उपलब्ध जानकारी के "एटलस व्यू (Atlas View)"** को प्राथमकिता देते हैं।
    - यह दृष्टकिोण सटीक और बहुआयामी समझ के लयि **आवश्यक स्थानीय संदर्भ और क्षेत्र-वशिषि्ट अंतर्दृष्टकिी उपेक्षा** करता है।

AI डिज़ाइन करने में विविधिता की भूमिका:

- **मानकीकरण से बचना:**
  - विविध AI मॉडल की कमी के परिणामस्वरूप मानकीकृत, एक आकार के उपयुक्त सभी समाधान हो सकते हैं जो **क्षेत्रीय, सांस्कृतिक या व्यक्तिगत विविधताओं को ध्यान में रखने में विफल** होते हैं।
  - AI, विकास में **विविधिता को बढ़ावा देने से कई दृष्टिकोण प्राप्त** हो सकते हैं, **नवाचार और अनुरूप समाधानों को प्रोत्साहित** किया जा सकता है।
- **समझ में सुधार:**
  - AI मॉडल में विविधिता दृष्टिकोण और ज्ञान की **एक विस्तृत शृंखला को अधिकृत करने, पूर्वाग्रहों को कम करने के साथ मॉडल की समझ और प्रतिक्रिया क्षमताओं को बढ़ाने में सहायता** प्रदान करती है।
  - यह अधिक समावेशी और न्यायसंगत AI परिदृश्य को बढ़ावा देते हुए **विविध भाषाओं, संस्कृतियों तथा अनुभवों को शामिल करने की अनुमति** देता है।

GAIs द्वारा उत्पन्न जोखिमों को विफल करने के तरीके:

- **AI व्यावसायीकरण धीमा करना:**
  - AI व्यावसायीकरण की गति को धीमा करने से **AI तकनीक के नैतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक निहितार्थों** के बारे में **लोकतांत्रिक निविष्टियों के साथ व्यापक चर्चा की अनुमति** प्राप्त होती है।
  - यह सुनिश्चित करता है कि AI के विकास से संबंधित निर्णय केवल लाभ के उद्देश्यों से प्रेरित नहीं हों बल्कि **व्यापक सामाजिक हितों पर भी केंद्रित हों।**
- **विविध AI मॉडल को बढ़ावा देना:**
  - विभिन्न AI मॉडलों के निर्माण को प्रोत्साहित करके **एक अधिक विकसित और समावेशी AI पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण** किया जा सकता है।
  - **अलग-अलग उद्देश्यों और भाषाओं वाले मॉडल सामूहिक** रूप से विश्व की अधिक व्यापक समझ प्रदान कर सकते हैं।

निष्कर्ष:

- ChatGPT जैसे AI उल्लेखनीय क्षमताओं से पूर्ण हैं, लेकिन **इन्हें अभिकल्पित/डिज़ाइन करते समय उच्च आधुनिकतावाद से जुड़े जोखिमों पर भी ध्यान दिया जाना चाहिये।**
- AI विकास में विविधिता को प्राथमिकता, लोकतांत्रिक इनपुट को बढ़ावा और स्थानीय ज्ञान को महत्त्व देने के साथ ही AI से संबंधित जोखिमों को कम करने में मदद कर सकता है और यह सुनिश्चित कर सकता है कि **AI प्रौद्योगिकियाँ मानवता की विविध आवश्यकताओं को पूरा करती हों।**
- **AI प्रणाली के नैतिक विकास और कार्यान्वयन के लिये** मानवीय बुद्धिमत्ता को बढ़ाने और इसे बनाए रखने के बीच संतुलन बनाना आवश्यक है।

स्रोत: द हिंदू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/concerns-related-to-high-modernism-in-ai